एयरपोर्ट सा बना गोमती नगर स्टेशन, वंदे भारत एक्सप्रेस से जुड़ी अयोध्या

जिज्ञासा यादव ● जागरण

लखनऊ : कोलकाता एयरपोर्ट और गोमतीनगर रेलवे स्टेशन के बीच एक समानता है। दोनों ही जगह रैंप के जरिए प्रस्थान करने वाले यात्री प्रवेश करते हैं। गोमती नगर स्टेशन पर प्लेटफार्मों के ऊपर स्काईवाक जैसी सुविधा है। सामने बने दो कमर्शियल टावर में अपनी पसंदीदा खरीदारी भी कर सकते हैं। एयरपोर्ट की तरह रेलवे स्टेशन की कल्पना को गोमती नगर स्टेशन ने पूरा किया, वहीं अयोध्या का तेज सफर रेल डबलिंग बाद वंदे भारत एक्सप्रेस ने साकार किया। यह बदलती तस्वीर यातायात के सबसे बड़े माध्यम रेलवे के हो रहे आधुनिकीकरण का उदाहरण है।

रेलवे की आधारभूत संरचना में वर्ष 2019 से अब तक बहुत बड़े बदलाव हुए हैं। आलमनगर को सेटेलाइट स्टेशन बना दिया गया है। ट्रांसपोर्टनगर में भी नया स्टेशन बन रहा है। आलम नगर से ट्रांसपोर्ट नगर होते हुए उतरेटिया के बीच बाईपास लाइन की डबलिंग हो गई है। हालांकि अब भी लखनऊ जिले में पड़ने वाले 10 छोटे स्टेशन विकास के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। कुछ स्टेशनों को अमृत स्टेशन प्रोजेक्ट में शामिल कर लिया गया है।

चारबाग और लखनऊ जंक्शन : प्रतिदिन चारबाग स्टेशन से करीब 240 ट्रेनों से 1.25 लाख यात्री और लखनऊ जंक्शन की 50 ट्रेनों से 65 हजार यात्री सफर करते हैं। गोमती नगर की तरफ करीब 100 साल पुराने चारबाग स्टेशन और छोटी लाइन के नाम से पहचान बनाने वाले लखनऊ जंक्शन को मिलाते हुए इनका पुनर्विकास 350 करोड़ रुपये से होगा। वर्ष 2019 के बाद इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली और आनंद नगर की ओर रेल भूमि विकास प्राधिकरण ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। आनंद नगर की ओर नया स्टेशन भवन और बजट होटल बनेगा। अंडरपास से चारबाग मुख्य स्टेशन को जोड़ा जाएगा। गोमती नगर की तरह चारबाग स्टेशन और लखनऊ जंक्शन को मिलाकर स्काई वाक बनेगा जो चारबाग मेट्रो स्टेशन से जुड़ेगा। अपनी ट्रेन आने पर एस्केलेटर और लिफ्ट से नीचे उतरेंगे। जाम से छुटकारा दिलाने के लिए भूमिगत पार्किंग होगी।

आउटर पर अब खड़ी नहीं होंगी ट्रेनें : चारबाग रेलवे स्टेशन आने वाली करीब पांच दर्जन ट्रेनें शाम छह से रात 12 बजे तक प्लेटफार्म न मिलने के कारण आउटर पर खड़ी रहती हैं। पिछले एक साल में चारबाग से दिलकुशा तक दो लेन को चार लेन में बदलने, कटाई वाला पुल को बदलने, दो नए प्लेटफार्म और वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवाएं अधिक बढ़ाने के लिए उसका मेंटनेंस शेड बनाने का काम चल रहा है। ऐशबाग से सीतापुर के बीच अमान परिवर्तन कर छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदल दिया गया है।

इन स्टेशनों का विकास बाकी : लखनऊ से सटे उतरेटिया, मोहनलालगंज, निगोहां, अनूपगंज, बक्कास, मल्हौर, मानकनगर, अमौसी, पिपरसंड, हरौनी, मलिहाबाद, काकोरी, मोहिबुल्लापुर, इटौंजा, बख्शी का तालाब स्टेशन का विकास होना बाकी है। इनमें कई स्टेशन अमृत स्टेशन में शामिल हो गए हैं।

हाल्ट को स्टेशन बनाने के लिए अटल जी ने रखी थी नींव

कभी गोमती नगर रेलवे स्टेशन एक प्लेटफार्म वाला हाल्ट था। यहां किसी ट्रेन का ठहराव नहीं था। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे स्टेशन के रूप में विकसित करने का सपना देखा। उनके शिलान्यास करने के बाद इस प्रोजेक्ट पर काम रेलवे ने एनडीए सरकार के जाने के बाद बंद कर दिया था। राजनाथ सिंह जब वर्ष 2014 में सांसद बने तो बंद प्रोजेक्ट को शुरू कराया और पांच नए प्लेटफार्म बने। उनके प्रयासों से गोमतीनगर का पुनर्विकास शुरू किया गया। करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2019 में गोमती नगर स्टेशन को नए स्वरूप में बनाने का काम शुरू किया।

गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर बनाया गया स्काई वाक ● जागरण

आज यहां दो शानदार माल भी तैयार हो गए हैं। इसी साल गोमती नगर स्टेशन का लोकार्पण किया गया है। यहां से प्रतिदिन पटना वंदे भारत एक्सप्रेस सहित 23 ट्रेनों से आठ हजार यात्री आते-जाते हैं।

आलमनगर स्टेशन: बनेगा नया कारिडोर

पिछले वर्ष बनकर तैयार हुआ था सेटेलाइट आलमनगर स्टेशन ● जागरण

पिछले साल ही रेलवे ने आलम नगर को सेटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया है। ट्रांसपोर्ट नगर में भी मेट्रो स्टेशन के करीब नया स्टेशन बन रहा है। उतरेटिया स्टेशन को अमृत भारत प्रोजेक्ट में शामिल कर लिया गया है। अब आलम नगर-ट्रांसपोर्ट नगर-उतरेटिया बाईपास की डबलिंग हो गई है। अभी इस सेक्शन पर केवल मालगाड़ी दौड़ती है। तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण के बीच मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों की तरह लोगों के पास अपने नजदीकी कई स्टेशनों से ट्रेनों से यात्रा करने का विकल्प हो, इसके लिए वर्ष 2019 के बाद से काम तेज हो गया है। रेलवे आलम नगर-ट्रांसपोर्ट नगर और उतरेटिया सेक्शन को एक नए कारिडोर के रूप में विकसित करेगा। ऐसे में बरेली की ओर से आने वाली ट्रेनें चारबाग न आकर आलम नगर, ट्रांसपोर्ट नगर-उतरेटिया होते हुए अमेठी और सुलतानपुर के रास्ते वाराणसी और प्रयागराज की ओर जा सकेंगी। कानपुर रोड, रायबरेली रोड, राजाजीपुरम, पारा सहित बड़े इलाके के लोगों को राहत मिलेगी।